नईदुनिया



अमेरिका में हवाई यातायात व्यवधानों का लंबा इतिहास: 9/11 से 2026 तक की प्रमुख घटनाएँ

वाशिंगटन

दुनिया के सबसे विकसित देशों में शुमार अमेरिका में हवाई यातायात का बाधित होना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में नवंबर 2026 में हुई देशव्यापी ग्राउंड स्टाप की घटना ने जहाँ फिर वैश्विक स्तर पर चिंता पैदा की, वहीं यह अमेरिकी विमानन प्रणाली के लंबे व्यवधानों के इतिहास की महज एक और कड़ी है। यह दुनिया के सबसे उन्नत विमानन नेटवर्क में से एक होने के बावजूद, अमेरिकी एयर ट्रैफिक सिस्टम को बीते कई दशकों में कई बार बड़े व्यवधानों का सामना करना पड़ा है। कभी आतंकी हमलों ने विमानों के पहिए थाम दिए, कभी तकनीकी खराबी और एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मचारियों की हड़ताल के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं। नवंबर 2026 में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के देशव्यापी ग्राउंड स्टाप आदेश के कारण कई हवाई अड्डों पर उड़ानों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। आंकड़ों के अनुसार, करीब 481 उड़ानें रद्द हुईं या उसमें 180 मिनट से अधिक की देरी हुई। न्यूयार्क, सैन फ्रांसिस्को और बोस्टन जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर इसका सबसे अधिक असर देखा गया, जिसके चलते यूनाइटेड एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस जैसी कंपनियों को यात्रियों को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। हालाँकि, यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका का आसमान थमा है। अमेरिकी विमानन इतिहास में 11 सितंबर 2001 की घटना सबसे भयावह थी। आतंकी हमलों के बाद एफएए ने पूरे अमेरिका में विमानों के संचालन पर रोक लगा दी थी, जिससे आसमान में मौजूद सभी विमानों को नजदीकी हवाई अड्डों पर उतरने का निर्देश दिया गया।

इस घटना ने अमेरिकी विमानन सुरक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाए। इससे पहले, 3 अगस्त 1981 को एयर ट्रैफिक कंट्रोल कर्मचारियों की हड़ताल ने देशभर में उड़ानों को ठप कर दिया था। वेतन और कामकाजी परिस्थितियों को लेकर हुई इस हड़ताल से दैनिक उड़ानों का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हुआ था, जिसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। तकनीकी खराबी भी इन व्यवधानों का एक प्रमुख कारण रही है। जनवरी 2023 में एफएए के नोटिस टू एयर मिशन्स (नोटम) सिस्टम में खराबी के कारण देशभर में विमानों के टेकआफ पर अस्थायी रोक लगानी पड़ी थी। इस 90 मिनट के व्यवधान से 1,300 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और हजारों में देरी हुई। क्रिसमस 2024 से ठीक पहले, अमेरिकन एयरलाइंस के तकनीकी सिस्टम में खराबी से भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एफएए ने लगभग एक घंटे के लिए एयरलाइन की उड़ानों पर ग्राउंड स्टाप लगा दिया था।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के शासनकाल में 4.83 लाख लोगों का अमेरिका से डिपोर्टेशन, 23 साल का रिकार्ड टूटा



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में निर्वासन की कार्रवाई ने नया रिकार्ड बना दिया है। इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026 में अमेरिका से 4,83,200 लोगों को डिपोर्ट किया गया। पिछले 23 वर्षों के दौरान यह सबसे बड़े आंकड़ों में शामिल है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को समाप्त हुए वित्त वर्ष में निर्वासन की संख्या पिछले वर्षों के मुकाबले काफी अधिक रही। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 में डिपोर्ट किए गए लोगों की संख्या 2025 के 4,42,640 के मुकाबले करीब नौ प्रतिशत अधिक है। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2024 में 2,71,480 लोगों को देश से निकाला गया था। इस लिहाज से 2026 में निर्वासन की संख्या में करीब 78 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2014 में बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान 4,05,090 लोगों को अमेरिका से बाहर किया गया था। ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया था। हालांकि, निर्वासन की इस नीति को लेकर विवाद भी बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में अमेरिका से निकाले गए लोगों में केवल एक तिहाई को ही अपराधी बताया गया था। इससे प्रशासन की कार्रवाई और उसके घोषित उद्देश्यों पर सवाल उठे। मिनियापोलिस सहित कई शहरों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। बढ़ते जनविरोध के बाद प्रशासन ने सार्वजनिक स्तर पर चलाए जा रहे अभियानों के बजाय गुपचुप छापेमारी पर जोर दिया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में मेजर समेत चार की मौत, 24 आतंकवादी मारे गए



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। देश के अशांत प्रांत बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान में खुफिया सूचना पर आधारित सैन्य अभियान में एक मेजर समेत चार सैनिक शहीद हो गए, जबकि 24 आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान सशस्त्र बलों की एकीकृत मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने जारी विज्ञप्ति में जानकारी दी। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञप्ति में कहा गया कि 13 नवंबर से सशस्त्र बलों ने कोलपुर, करदागाप और नुश्की के आसपास अभियान शुरू किया। क्वेटा-ताफ्तान नेशनल हाइवे -40 पर गश्त बढ़ाई गई। 13-14 नवंबर की रात कोलपुर में सुरक्षा बलों ने आठ आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें एक आत्मघाती हमलावर भी शामिल था। सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया। इसके बाद 14 नवंबर को आतंकवादियों ने हथियारों से लैस क्वाडकाप्टर (ड्रोन) के जरिए गश्त कर रहे सेना के वाहनों को निशाना बनाया। इस हमले में चकवाल जिले के मेजर उमर मिन्हास नासिर और कोटली सत्तियां के हवलदार मोहम्मद अदनान खान की जान चली गई।

दुल्हन के साथ हुआ बड़ा हादसा, धान के खेत में पलटी कार.....कीचड़ से सना सफेद गाउन, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

वियतनाम। शादी का दिन हर किसी के जीवन का खास पल होता है, लेकिन वियतनाम में एक नवविवाहित जोड़े के लिए खुशियों का यह दिन अचानक हादसे में बदल गया। शादी की रस्में पूरी होने के बाद ससुराल जा रही दुल्हन की कार सड़क से फिसलकर धान के खेत में पलट गई। हादसे में दुल्हन का खूबसूरत सफेद वेडिंग गाउन कीचड़ से पूरी तरह सन गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, 19 वर्षीय दुल्हन डैम थी जुआन की शादी 21 वर्षीय ली वैन वियत से हुई थी। 10 नवंबर को शादी की रस्में पूरी होने के बाद दोनों कार से ससुराल के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान तेज हवाओं और बारिश के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते कार सड़क से फिसलकर करीब एक मीटर गहरे कीचड़ से भरे धान के खेत में जा गिरी। हादसे के दौरान दुल्हन की तरफ वाली खिड़की खुली होने के कारण उसका चेहरा सीधे कीचड़ में जा लगा। उसका सफेद शादी का गाउन भी पूरी तरह गंदा हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने दूल्हा-दुल्हन को बाहर निकालने की कोशिश की। शुरुआत में कुछ युवकों ने कार को सीधा करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में स्थानीय लोग एकजुट हुए और काफी मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस हादसे को लेकर सबसे ज्यादा चिंता दुल्हन की सेहत को लेकर थी, क्योंकि वह गर्भवती थी। उस तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसकी जांच की।

नेपाल में बंद होगी 3 जी सेवा, 4जी नेटवर्क पर होगा पूरा फोकस

काठमांडू

नेपाल के दूरसंचार क्षेत्र में बड़ा तकनीकी बदलाव होने जा रहा है। देश की दो प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियां निजी क्षेत्र की एनसेल और सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलिकाम देशभर में अपनी 3 जी सेवा बंद कर 4 जी तकनीक पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने की तैयारी कर रही हैं।

दुनियाभर में दूरसंचार कंपनियां पुरानी पीढ़ी की मोबाइल तकनीक को हटाकर नई तकनीक और नेटवर्क क्षमता के विस्तार में निवेश कर रही हैं। इसी क्रम में नेपाल की दोनों प्रमुख कंपनियों ने भी 3 जी नेटवर्क बंद करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस मामले में निजी दूरसंचार कंपनी एनसेल आगे है।

एनसेल ने दिसंबर 2026 तक देशभर में 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने का लक्ष्य रखा है। वहीं, नेपाल टेलिकाम भी चालू वित्त वर्ष के भीतर ही 3जी सेवा पूरी तरह समाप्त करने की तैयारी कर रहा है।

एनसेल के अनुसार, कंपनी ने देशभर में संचालित कुल 3,139 नेटवर्क साइटों में से 992 साइटों पर 3 जी सेवा पूरी तरह बंद कर दी है। यह कुल नेटवर्क साइटों का लगभग 32 प्रतिशत है। कंपनी के अनुसार, बाकी करीब 2,150 साइटों पर संचालित 3 जी सेवा भी तिहार के बाद चरणबद्ध तरीके से बंद करने की तैयारी है।

एनसेल पहले चरण में लुंबिनी और गंडकी प्रदेश में 3जी सेवा बंद करेगा। इसके बाद बागमती प्रदेश और फिर मधेश, गंडकी तथा कोशी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे-धीरे यह सेवा समाप्त की जाएगी।

कंपनी के मुताबिक, उसके कुल सक्रिय ग्राहकों में से केवल करीब 3 प्रतिशत ग्राहक ही फिलहाल 3 जी सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, देशभर में 4जी सेवा का विस्तार होने के बावजूद 4 लाख 20 हजार से अधिक ग्राहकों के पास अभी भी 3जी सिम मौजूद हैं।

एनसेल का दावा है कि उसकी 4जी सेवा देश की करीब 95 प्रतिशत आबादी तक पहुंच चुकी है। कंपनी का उद्देश्य 3जी सेवा बंद कर नेटवर्क क्षमता और उपलब्ध स्पेक्ट्रम का अधिकतम इस्तेमाल करना है। पुरानी तकनीक हटने से उपलब्ध संसाधनों को नई तकनीक की सेवा गुणवत्ता सुधारने में लगाया जा सकेगा।

एनसेल ने स्पष्ट किया है कि 3जी सेवा बंद होने के बावजूद ग्राहक बुनियादी संचार सुविधाओं से वंचित नहीं होंगे। जिन ग्राहकों के पास 4जी सपोर्ट नहीं करने वाले पुराने मोबाइल फोन हैं, वे 2जी नेटवर्क के जरिए



सामान्य वायस काल और एसएमएस सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे।

वहीं, पुराने सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को कंपनी मुफ्त में 4जी सिम उपलब्ध कराएगी। सिम बदलने पर सात दिनों के लिए 2 जीबी इंटरनेट डेटा भी मुफ्त दिया जाएगा।

कंपनी ग्राहकों को 4जी नेटवर्क पर ही वायस काल करने के लिए वीओएलटीई तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इस तकनीक के जरिए मोबाइल डेटा इस्तेमाल करते हुए भी 4जी नेटवर्क पर अधिक स्पष्ट और तेज वायस काल की सुविधा मिलती है।

एनसेल के बाद सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलिकाम ने भी चालू वित्त वर्ष के भीतर 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने की तैयारी शुरू कर दी है।

नेपाल टेलिकाम के प्रवक्ता कमल लामिछाने ने बताया कि नेपाल ही नहीं, बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों में दूरसंचार कंपनियां 3जी तकनीक को धीरे-धीरे विस्थापित कर रही हैं। इसी प्रक्रिया के तहत नेपाल टेलिकाम भी वित्त वर्ष 2026/27 में अपनी 3जी सेवा पूरी तरह बंद करने की दिशा में काम कर रहा है। फिलहाल कंपनी 2100 मेगाहर्ट्ज बैंड पर 3जी सेवा संचालित कर रही है।

लामिछाने के अनुसार, 3जी सेवा बंद होने के बाद ग्राहक इंटरनेट डेटा के लिए 4जी और सामान्य वायस काल के लिए 2जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकेंगे। वहीं, डेटा और वायस काल दोनों सुविधाएं एक ही नेटवर्क से इस्तेमाल करने के इच्छुक ग्राहक 4जी की वीओएलटीई सुविधा ले सकते हैं। इससे इंटरनेट और वायस काल दोनों की गुणवत्ता बेहतर होगी।

नेपाल टेलिकाम अब तक देश की 760 स्थानीय निकायों तक 4जी सेवा का विस्तार कर चुका है। कंपनी बाकी स्थानीय निकायों में भी 4जी सेवा पहुंचाने और नेटवर्क की गुणवत्ता सुधारने की योजना पर काम कर रही है।

दोनों प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर से 3जी तकनीक बंद करने की तैयारी के साथ नेपाल में पुरानी मोबाइल तकनीक से नई पीढ़ी के नेटवर्क की ओर बदलाव की प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

3जी सेवा के लिए इस्तेमाल हो रही फ्रीक्वेंसी और नेटवर्क संसाधनों को 4जी सेवा की क्षमता तथा गुणवत्ता सुधारने में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे दूरसंचार कंपनियों की परिचालन लागत और नेटवर्क प्रबंधन पर भी असर पड़ेगा। हालांकि, 4जी सेवा का विस्तार होने के बावजूद पुराने मोबाइल फोन और सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को नई तकनीक में स्थानांतरित करना दोनों कंपनियों के लिए चुनौती होगी। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के ग्राहकों को बुनियादी संचार सुविधाओं से वंचित किए बिना यह बदलाव करना महत्वपूर्ण होगा। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के आश्विन महीने तक के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल में कुल 7 लाख 38 हजार 761 ग्राहक अभी भी 3जी सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें नेपाल टेलिकाम के 6 लाख 42 हजार 720 और एनसेल के 96 हजार 41 ग्राहक शामिल हैं। इसके मुकाबले देश में 4जी ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ 68 लाख 58 हजार 267 पहुंच चुकी है। इनमें नेपाल टेलिकाम के 1 करोड़ 47 लाख 14 हजार 276 और एनसेल के 1 करोड़ 21 लाख 43 हजार 991 ग्राहक शामिल हैं।

यूएई के मंत्री से मिले नेपाल के गृहमंत्री, बूढ़ीगंडकी जलविद्युत परियोजना में निवेश का प्रस्ताव



काठमांडू।

नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश व्यापार मंत्री डा. थानी बिन अहमद अल जेयोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

गृहमंत्री गुरुंग के अनुसार, बैठक में बूढ़ीगंडकी जलविद्युत परियोजना, कृषि एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ सुरक्षा प्रौद्योगिकी में यूएई के निवेश और सहयोग का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने बताया कि बैठक में फेसलेस पुलिसिंग, गैर-घातक सुरक्षा उपकरणों के उत्पादन, सुरक्षा एजेंसियों के आधुनिकीकरण और उन्हें तकनीक के अनुकूल बनाने जैसे विषयों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

गृहमंत्री सुदन गुरूंग ने कहा कि नेपाल की ओर से प्रस्तावित परियोजनाओं में सहयोग को लेकर डा. थानी ने सकारात्मक तत्परता दिखाई । दरअसल, गृहमंत्री सुदन गुरूंग विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे हैं। यूएई सरकार के औपचारिक निमंत्रण पर वह दुबई में हैं।

बताया गया है कि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग, सुरक्षा प्रौद्योगिकी के विकास और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीनतम प्रक्रियाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान उच्चस्तरीय नीतिगत चर्चा, विषयगत एवं तकनीकी सत्र, उच्चस्तरीय मुलाकातें, कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और विश्व पुलिस पुरस्कार सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस बार सम्मेलन में रक्षा एवं संकट प्रबंधन, स्वचालित रोबोट, ड्रोन एवं मानवीय क्षमता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पुलिस सेवा एवं डिजिटल परिवर्तन, साइबर हमले और डिजिटल धोखाधड़ी पर नियंत्रण, क्रिप्टो लेनदेन एवं वित्तीय अपराधों की रोकथाम, अपराध अनुसंधान, खुफिया सूचना एवं आधुनिक फारेंसिक तकनीक, मादक पदार्थों एवं संगठित अपराध पर नियंत्रण, सीमा सुरक्षा एवं स्मार्ट सुरक्षा प्रणाली तथा उपग्रह सूचना एवं अंतरिक्ष सुरक्षा समेत कुल 14 विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

मध्य पूर्व में अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह



रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने मध्य पूर्व में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है। दूतावास ने क्षेत्र में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की ओर से सशस्त्र हमलों का खतरा बढ़ने और अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाने की ईरान की कोशिशों को लेकर आगाह किया है। दूतावास ने चेतावनी दी कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों में पहले ही आम नागरिकों के हताहत होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उसने कहा कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका असर संबंधित क्षेत्र से कहीं आगे तक फैल सकता है। अमेरिकी मिशन ने नागरिकों से सुरक्षा संबंधी हालात पर नजर रखने और सतर्कता बरतने का आग्रह किया है।

अंतरिक्ष में 22 घंटे बिता स्पेसएक्स का स्टारशिप राकेट पृथ्वी पर लौटा

वाशिंगटन (अमेरिका)

अंतरिक्ष में 22 घंटे बिताने के बाद स्पेसएक्स का स्टारशिप राकेट वापस पृथ्वी पर लौटा। पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करते समय इसने भीषण गर्मी झेली और टेक्सास गल्फ कोस्ट स्थित अपने लान्च साइट की ओर बढ़ा। आखिरी पल में राकेट सीधा खड़ा हो गया और लान्च गैंट्री पर लगी दो विशाल मैकेनिकल भुजाओं की पकड़ में आ गया।



सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पास में मौजूद स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने खुशी से तालियां बजाईं। राकेट ने अपने छह मीथेन-ईंधन वाले रैप्टर इंजनों में से तीन को फिर से चालू किया ताकि वह सीधा खड़ा हो सके। इसकी गति तेजी से कम हुई और यह लगभग हवा में स्थिर हो गया, तभी रोबोटिक भुजाओं ने इसे जकड़ लिया। इंजन बंद होने से ठीक एक पल पहले राकेट को पकड़ लिया गया।

स्पेसएक्स की कमेंटेटर जेसी एंडरसन ने कहा, यह देखना वाकई अद्भुत है! हमारी आंखों के सामने इंजीनियरिंग का एक बेहद शानदार और ऐतिहासिक कारनामा हुआ है। स्पेसएक्स की हमारी टीम और स्टारशिप प्रोग्राम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को बधाई।

आर्बिट से स्टारशिप को वापस लाने की यह पहली घटना है। इससे पहले की टेस्ट फ्लाइट्स समुद्र में उतरने के साथ खत्म होती थीं। यह स्पेसएक्स के उस लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जिसके तहत वे पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल होने वाला आर्बिट-क्लास राकेट विकसित कर रहे हैं। कंपनी के संस्थापक एलन मस्क का कहना है कि इससे पृथ्वी की कक्षा, चंद्रमा और भविष्य में मंगल ग्रह तक पेलोड (सामान) भेजने की लागत में भारी कमी आएगी।

स्टारशिप को टेक्सास तट पर स्थित स्पेसएक्स की स्टारबेस सुविधा से एक सुपर हैवी बूस्टर के जरिए लान्च किया गया था। 407 फीट ऊंचा यह दो-चरण वाला राकेट अब तक का सबसे शक्तिशाली लान्चर है। उड़ान भरते समय इसके पहले चरण में लगे 33 रैप्टर इंजन लगभग 16 मिलियन पाउंड का थ्रस्ट पैदा करते हैं। इस विशाल राकेट की 15वीं टेस्ट फ्लाइट से पहले स्पेसएक्स ने पिछली तीन उड़ानों में इस्तेमाल किए गए पहले चरण के बूस्टर को सफलतापूर्वक वापस हासिल कर लिया था।

बीजिंग में एक्यूआई कभी 700 पार होता था, सख्त पाबंदियों के बाद 170 पर पहुंच गया

चीन सरकार की व्यापक योजनाओं और भारी निवेश से कुछ सालों में बदल गए हालात

बीजिंग

चीन की राजधानी बीजिंग में एक्यूआई करीब 170 रहा। हालांकि हवा पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन एक समय बीजिंग की स्थिति दिल्ली जैसी ही थी। सर्दियों में एक्यूआई 700 के पार पहुंच जाता था। धुएं और धुंध के कारण इमारतें तक दिखाई नहीं देती थीं और लोगों को सांस लेने में काफी परेशानी होती थी। चीन ने सख्त नीतियों, व्यापक योजनाओं और भारी निवेश के जरिए कुछ सालों में हालात को बदल दिया।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के मुताबिक बीजिंग में प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास 1998 से शुरू हो गए थे, लेकिन निर्णायक बदलाव



2013 में आया। उस साल जनवरी में प्रदूषण का स्तर बहुत खतरनाक स्तर पर था।

विश्व बैंक के मुताबिक बीजिंग में पीएम 2.5 का 24 घंटे का औसत स्तर कुछ दिनों में 569 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था। इसके बाद सितंबर 2013 में चीन की सरकार ने वायु प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण कार्ययोजना लागू की। इसके तहत 2017 तक पीएम 2.5 के सालाना औसत स्तर में 25 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य रखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण कम करने के लिए सबसे पहले कोयले के इस्तेमाल पर लगाम लगाई गई। घरों में हीटिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले कोयला आधारित बायलरों पर बैन और नियंत्रण बढ़ाया गया और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया गया। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने या दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित करने के साथ कारखानों के उत्सर्जन मानक भी सख्त किए गए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

यह अभियान बीजिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि औद्योगिक प्रदूषण के प्रभाव को देखते हुए तियानजिन और हेबेई को भी इसमें शामिल किया गया। वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए उत्सर्जन मानक कड़े किए गए और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों पर नियंत्रण लगाया गया। मेट्रो नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार किया गया। साइकिल और बाइक शेयरिंग को प्रोत्साहित किया गया ताकि छोटी दूरी के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल घटे। निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण और हरित क्षेत्रों के विस्तार के उपाय भी किए गए।

यूएनईपी के मुताबिक 2013 में बीजिंग का सालाना औसत पीएम 2.5 स्तर 89.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो 2017 में घटकर 58 माइक्रोग्राम रह गया। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में यह स्तर 30 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया।

भारी प्रदूषण वाले दिनों की संख्या भी 2013 के 58 से घटकर सालाना दो-तीन रह गई। इस अभियान पर खर्च भी बढ़ाया गया। बीजिंग का प्रदूषण नियंत्रण बजट 2013 में तीन अरब युआन से कुछ ज्यादा था, जो 2017 में बढ़कर 18 अरब युआन से ज्यादा हो गया। बीजिंग का अनुभव दिल्ली समेत दुनिया के अन्य देशों के लिए भी अहम है।